

Regarding impact on livelihood of tribals due to declaration of Pench as a National Park in Ramtek Parliamentary Constituency

श्री श्यामकुमार दौलत बर्वे (रामटेक) : मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान रामटेक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पेंच नेशनल पार्क से जुड़ी एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। यह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। यहां के लोगों की आजीविका जंगल पर निर्भर करती है। जब से पेंच नेशनल पार्क बना है, वहां आदिवासियों को आने-जाने से रोका जा रहा है, प्रतिबंधित किया जा रहा है जबकि उनकी किसान-खेती जंगल से है। इसकी वजह से हमेशा उन पर टाइगर अटैक्स होते हैं और उनकी जानें जाती हैं। मैंने आंकड़े निकाले हैं कि पूरे देश में सात सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। मेरे पास वर्ष 2023 तक के ही आंकड़े हैं क्योंकि पिछले तीन सालों के आंकड़े अभी नहीं आए हैं। महाराष्ट्र में 200 से ज्यादा लोग मर चुके हैं।

मेरे संसदीय क्षेत्र में पिछले तीन सालों में 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद भी अभी तक सरकार की तरफ से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। उनकी उपजीविका ही पूरी तरह से जंगल पर आधारित है। जंगलों को सुरक्षित करने का काम आदिवासी लोग ही करते हैं। आदिवासियों को पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है और उनके लिए कोई योजना नहीं बनाई गई है। उनके लिए न तो पशुपालन के लिए कोई कॉरिडोर बनाया जाता है, न उनकी उपजीविका के लिए कुछ किया जाता है। ये लोग हमेशा मौत से जूझते रहते हैं।

मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि उनके लिए कुछ प्रावधान किया जाए ताकि उनकी जान बच सके। मेरा अनुरोध है कि उनके लिए खेती और उद्योग करने के लिए योजना तैयार की जाए। 11 सालों से यह सरकार चल रही है, लेकिन आदिवासियों की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि आदिवासी भी इस देश के नागरिक हैं। वे जंगली नहीं हैं, जानवर नहीं हैं, इंसान हैं। धन्यवाद।